प्रेस विज्ञप्ति

समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है सिनेमा: मुकेश कुमार

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में सहायक आचार्या डॉ तनु डंग के समन्वय में स्थापित ग्रामीण संचार एवं विकास केंद्र (सेन्टर ऑफ एक्सिलेंस) और फ़िल्म एवं फोटोग्राफ़ी क्लब के संयुक्त तत्वाधान में आज एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का विषय *विकास के मुद्दों को रेखांकित करने में फ़िल्म तथा टीवी की भूमिका* रहा। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता *मुकेश कुमार, डीन सुभाष चन्द्र बोस फ़िल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, लखनऊ* रहे।

उन्होंने बताया कि फ़िल्में और टेलीविज़न लगातार समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं। सिनेमा का इतिहास बताते हुए उन्होंने कहा कि इस विधा की शुरुआत ही विकास के मुद्दों को रेखांकित करने के लिए की गई। इस संबंध में उन्होंने कई बॉलीवुड की फिल्मों जैसे अछूत कन्या, मंथन, मेघोढाकातारा, दो बीघा ज़मीन तथा कई टीवी कार्यक्रम जैसे हमलोग, बुनियाद आदि का उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को सामाजिक परिवर्तन में सिनेमा की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को फ़िल्म डिवीज़न द्वारा निर्मित की गई परिवार नियोजन की फ़िल्म, अनेकता में एकता की फ़िल्म तथा वृक्षारोपण पर आधारित ट्री ऑफ यूनिटी नामक फ़िल्म में भी दिखाई। उन्होंने आगे कहा कि सिनेमा समाज में चेतना जगाता है और इस चेतना से फ़िल्में समाज में एक बड़ा परिवर्तन लाने में सक्षम है। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज में तेजी से हो रहे बदलाव को समझने की नजर बनाए रखने की हिदायत भी दी।

कार्यक्रम की समन्वयक डॉ तनु डंग ने विद्यार्थियों को विकास पर आधारित कई फ़िल्मों के उदहारण देते हुए बताया कि वे विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों से आर्थिक सहायता प्राप्त कर फ़िल्मों का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सेंटर ऑफ़ एक्सिलेंस लगातार ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है जिससे विद्यार्थी ग्रामीण विकास के विभिन्न पहलुओं को समझे एवं मीडिया के माध्यम से उसे आम जनता तक ले जाने का प्रयास करें। उन्होंने आशा जतायी कि इस कार्यशाला से विद्यार्थियों का विकास सम्बंधी मुद्दों पर फ़िल्म बनाने का दृष्टिकोण और व्यापक होगा।

कार्यशाला के अंत में विश्वविद्यालय के फ़िल्म एवं फोटोग्राफी क्लब के सह समन्वयक डॉ काज़िम रिज़वी द्वारा पूर्व में *एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत विश्व खाद्य दिवस पर आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता* के प्रमाण पत्रों का वितरण भी किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पुष्पांजलि, द्वितीय स्थान पर कृतवर्धन तथा तृतीय स्थान पर लक्ष्मी श्रीवास्तव रहीं। शेष विद्यार्थियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

कार्यक्रम का संचालन ग्रामीण संचार एवं विकास केंद्र के शोध सहायक अंकित मौर्या ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन तकनीकी सहायक आलोक शेखर मिश्रा ने दिया। इस कार्यक्रम में पत्रकारिता एवं

जनसंचार विभाग की विषय प्रभारी, डॉ रुचिता सुजाय चौधरी, सहायक आचार्य डॉ काज़िम रिजवी, डॉ शचिन्द्र शेखर, डॉ मोहम्मद नसीब तथा विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

डॉ तनु डंग

मीडिया प्रभारी

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय